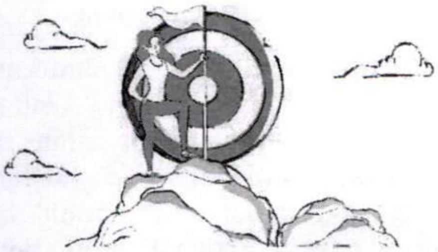

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (4510)

निर्धारित समय: **तीन घंटे** | अधिकतम अंक: **250**

Time Allowed: ***Three Hours*** | *Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 4612028९

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : PRAVEEN RATNOO

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

हिन्दी

तारीख
Date

26/07/2025

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)
GENERAL STUDIES (Paper I)

केंद्र
Centre

JAIPUR

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. **Q. No.**	**अंक** **Marks**		**प्रश्न सं.** **Q. No.**	**अंक** **Marks**	
1			**11**		
2			**12**		
3			**13**		
4			**14**		
5			**15**		
6			**16**		
7			**17**		
8			**18**		
9			**19**		
10			**20**		
उप-योग (A) **Subtotal (A)**			**उप-योग (B)** **Subtotal (B)**		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (4510)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*कुल **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. लोक संगीत सांस्कृतिक पहचान के भंडार के रूप में कार्य करता है। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में लोक संगीत की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Folk music serves as a repository of the cultural identity. Discuss the role of folk music in preserving cultural heritage and promoting social cohesion. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लोक संगीत स्थानीय ~~संस्कृति~~ परिचायक होते हैं।

यह सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व सामाजिक समरसता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

① लोक धुनों व लोकसंगीत द्वारा ~~स्थानीय~~ आंचलिक संस्कृति का संरक्षण

Eg. भठजिया के गीत (बिहार)

② त्योहारों, उत्सवों जैसे लोक महोत्सवों में संगीत।

Eg. फाग के गीत (राजस्थान)

③ नृत्य आदि ललित कलाओं के साथ संगम द्वारा स्थानीय संस्कृति

Eg. — कुचीपुडी के साथ आंध्र संगीत
भरतनाट्यम के साथ कर्नाटक संगीत

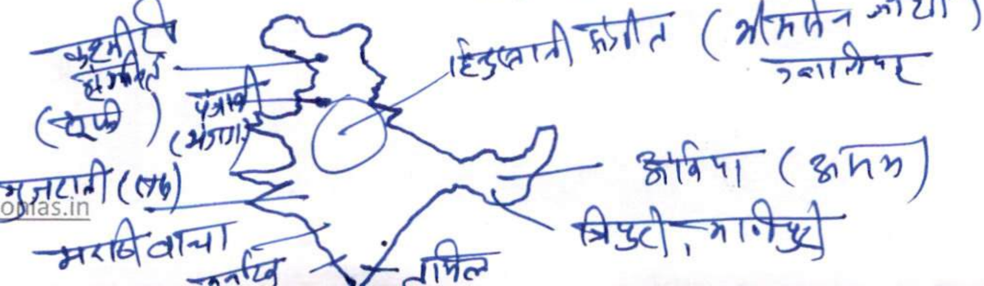

VisionIAS

सामाजिक समरसता बढ़ाने में

① संगीत के बोलों में सामाजिक भ्रातृत्व & सौहार्द को बढ़ाना

Eg. जार-जाद्रित (बिहार)

② महिलाओं – पुरुषों के बीच सहयोग

Eg. भवई संगीत कार्यक्रम (गुजरात)

③ जातिगत समरसता → भेदभाव & अस्पृश्यता को दूर करना।

Eg. राजस्थानी मंगनियार लोकगायक (मुस्लिम गायक + हिंदू गीत)

④ धार्मिक सौहार्द को बढ़ाना — Eg. कव्वाली (दिल्ली)

⑤ राष्ट्र हेतु उद्बोधित व एकता बढ़ाना

Eg. वीर भोज राज की कविता
परमाल, आल्हा गायन (बुंदेलखंड)

लोक संगीत न केवल सांस्कृतिक विरासत व सामाजिक समरसता बढ़ाते बल्कि भाषा, इतिहास व विचारों को भी बढ़ाते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

2. मंदिर स्थापत्य कला की वेसर शैली किस प्रकार नागर और द्रविड़ शैलियों के संश्लेषण का प्रतिनिधित्व करती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
How does the Vesara style of temple architecture represent a synthesis of the Nagara and Dravida styles? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चालुक्य राजवंश द्वारा 7th–11th सदी के काल मंदिर स्थापत्य शैली को विकसित किया, जिसे वेसर शैली कहा जाता है।

नागर & द्रविड़ शैली का मिश्रण

1. जगती (द्रविड़) + चबूतरा (नागर) मंदिर का आधार

2. बड़े-बड़े मंडप जो नागर & द्रविड़ दोनों मिश्रण का प्रभाव।
Eg. लोकुंडी का मंदिर

3. विमान & शिखर जैसी संरचना

4. चारदीवारी के साथ बड़े गोपुरम जैसी संरचना।
Eg. विरूपाक्ष मंदिर पट्टदकल

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. स्तंभों वाले विशाल हॉल।
नक्काशीदार दीवारें।

उदा. परमादल मंदिर; बादामी etc.

6. एकाश्म मंदिर निर्माण, गुफाएं

उदा. बादामी की गुफाएं — हिंदू, जैन, बौद्ध

7. सांस्कृतिक समन्वय रूप शैली
(हिंदू, बौद्ध, जैन धर्मों का प्रभाव

8. कुंडों व जलाशयों की उपस्थिति

9. मूर्तियों में — बलुआ पत्थर, चितीदार पत्थर

10. निर्माण सामग्री: — पत्थर, सजावटी पत्थर

वेसर शैली न केवल मंदिर स्थापत्य शैली का संश्लेषण बल्कि भारत की विरासत व संस्कृति के एकीकरण का रूप जो राष्ट्र की स्थायी अखंडता को बनाया रखेगी।

उदा. UNESCO हेरिटेज साइट के रूप में पट्टदकल

3. भारत के स्वतंत्रता संग्राम को आगे बढ़ाने में विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा निभाई गई भूमिका पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the role played by Indians living abroad in advancing the cause of India's freedom struggle. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम स्थानीय नेताओं के साथ-साथ विदेशों में रहने वाले भारतीयों का योगदान अतुलनीय रहा।

1. विदेशी धरती से भारतीय स्वतंत्रता के साथ अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ प्रचार करना।

eg तलवार पत्रिका — भीकाजी कामा (जर्मनी)

2. अंग्रेजों के खिलाफ विश्व के अन्य देशों का सहयोग प्राप्त करने हेतु राजनीतिक भूमिका।

eg वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय (पेरिस) फ्रांस को राजी किया।

3. क्रांतिकारी गतिविधियों को बढ़ावा देकर भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों को हथियार, फंड की मदद की।

eg लाला हरदयाल, सोहनसिंह भकना (गदर पार्टी, USA)

VisionIAS

↳ इंडिया हाउस (लंदन)

4. बॉम्ब आयात: रणनीति बनाना, नेतृत्व प्रदान करना etc.

eg. श्यामजी कृष्ण वर्मा (इंडिया हाउस, लंदन)
सावरकर →

5. विदेशों में सेना गठन कर अंग्रेजों पर आजादी का दबाव बनाना।

eg. मोहन सिंह : INA की स्थापना
(जापान, सिंगापुर की मदद)

6. जिमरमैन प्लान (1915) : जर्मनी की मदद से POW से सेना का गठन

eg - गदर नेता & सुभाष (बाद में)

इस तरह विदेशों में रहने वाले भारतीयों का योगदान आज भी गर्व से याद किया जाता है। आजादी के अमृत महोत्सव में उन्हें पूरे देश द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

4. मार्शल योजना ने युद्धोत्तर यूरोप की आर्थिक पुनर्बहाली और राजनीतिक स्थिरता को किस प्रकार प्रभावित किया? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How did the Marshall Plan influence the economic recovery and political stability of post-war Europe? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

द्वितीय विश्वयुद्ध (1939-45) के बाद यूरोप की बिगड़ती अर्थव्यवस्था & राजनीतिक अस्थिरता को सुधारने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन मार्शल द्वारा मार्शल योजना लाई गई।

आर्थिक पुनर्बहाली

① बड़े स्तर पर ऋण प्रदान करना
↳ रियायती, ब्याज कम दरें

② आर्थिक नियोजन & पुनर्निर्माण हेतु वित्तीय सहायता & अनुदान।
(&) IMF & वर्ल्ड बैंक (IBRD) द्वारा फंडिंग

③ पश्चिम यूरोपीय देशों के साथ व्यापार बढ़ाना & यूरोपीय आर्थिक एकीकरण द्वारा कम दरों के साथ आयात-व्यापार ⇒ व्यापार↑ → GDP↑

④ अमेरिका के साथ

www.visionias.in

VisionIAS

राजनीतिक स्थिरता

(1.) यूरोपीय देशों के बीच राजनीतिक संघर्ष को रोकना।
(i) जर्मनी के आक्रमण रवैये को शांत करना।

(2) ब्रिटेन - फ्रांस को UNO में वीटो

(3.) UNO में यूरोप का प्रतिनिधित्व बढ़ाना & शांति समाधान हेतु मंच प्रदान करना।

(4.) अमेरिकी नेतृत्व में यूरोप की राजनीतिक स्थिरता लाना।

(5.) राजनीतिक संवाद & कूटनीतिक समाधान को तरजीह देना।

मार्शल प्लान ने पश्चिमी यूरोप के साथ साथ लगभग पूरे यूरोप को शांति & समृद्धि के मार्ग पर लाने में अहम भूमिका निभाई। (जिसका परिणाम आज EU जैसी संस्था के रूप में देख जा सकता है)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

5. अरब सागर में चक्रवातीय गतिविधि में वृद्धि के लिए उत्तरदायी कारकों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the factors responsible for increased cyclonic activity in the Arabian Sea. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चक्रवात एक जलवायवीय घटना है। जिसमें निम्न दाब बिन्दु में होता है तथा उसकी तरफ चारो ओर से पवनें आती है। परिणामतः कोरीओलिस बल द्वारा चक्रण (सर्कुलेशन) होता है।

अरब सागर में चक्रवातीय गतिविधि में वृद्धि के उत्तरदायी कारक

1. जलवायु परिवर्तन : ग्लोबल वार्मिंग, GHGs (मीथेन, CO_2) के बढ़ने से आसपास जलवायवीय दशाओं में परिवर्तन आया
⇓
अरब सागर में मानसून के पैटर्न में बदलाव

2. तापमान में वृद्धि : ग्लोबल वार्मिंग,
↳ समुद्र जल स्तर बढ़ने से avg ताप (27°C) से बढ़ने लगा है (जो कि

चक्रवात में अचानक ताप होने लगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. महासागरीय धाराओं के पैटर्न द्वारा

Eg. अगुलहास व मोजाम्बिक चैनल धारा गर्मजल।

4. अल-नीनो, MJO ला-नीना जैसे मौसमी व जलवायवीय पैटर्नों से चक्रवातों की तीव्रता और

Eg. संख्या वृद्धि (केरल)

5. लाल सागर: यमन की खाड़ी से अरब सागर के जल का आगमन ⇒ लवणता ↑

6. निम्न दाब क्षेत्रों का बनना।

Eg. कमजोर मानसून से समुद्र क्षेत्र (अरब सागर) में निम्न दाब क्षेत्र बनते हैं।

* प्राय: BoB चक्रवात अधिक आते हैं, वर्तमान में अरब सागर में चक्रवातों का बढ़ना चिंताजनक है ⇒ प्राकृतिक व मानवीय ..

प्रभाव उत्तरदायी कारक हैं।

VisionIAS

6. भारत में वस्त्र क्षेत्रक को रूपांतरित करने में तकनीकी हस्तक्षेप किस प्रकार मददगार हो सकते हैं? इस संबंध में सरकार ने कौन-सी पहलें की हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can technological interventions help in transforming the textile sector in India? What are the initiatives that the government has taken in this regard? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत वस्त्र क्षेत्र में top 5 देशों में है। वस्त्र क्षेत्र में आधुनिक तकनीक हस्तक्षेप महत्वपूर्ण होता है।

(1) बड़े क्षेत्र में व्यापक वस्त्र निर्माण हेतु ऑटोमेशन व सेमी ऑटोमेटिक तकनीकी उपकरण।

(i) इलेक्ट्रिक सिलाई मशीन

(2) तकनीकी वस्त्रों की डिजाइन, ले आउट, प्रिंटिंग etc. हेतु AI, IoT द्वारा

(3) कपड़े की जाँच व गुणवत्ता परीक्षण हेतु उन्नत तकनीक।

(i) टेक्सटोमीटर, केमीकल तकनीक

(4) सिलाई मशीनों की फाइबरों व कुशलता व दक्षता बढ़ाना

(i) मेगा पार्क में विस्तृत उत्पादन।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5.) विपणन — हेतु डिजीटल e-com
बढ़ाना,
→ आयुर्वेद बाजारों के संभावनाएँ

(6.) निर्यात प्रोत्साहन हेतु
हेतु ब्रेक-ऑर्डर

सरकारी प्रयास

(1) योजनागत : व्यापक प्रोत्साहन प्रयास
हेतु PM मित्रा : मेगा टेक्सटाइल पार्क
→ होलिस्टिक एप्रोच से विकास
→ PLI : तकनीकी वस्त्र

(2.) EoDB वातावरण बनाना .
↳ सरल, रेगुलेशन मानक (जनविश्वास एक्ट

(3) 100% FDI ⇒ निवेश ↑ ⇒ पूंजी पर्याप्तता ↑

(4.) निर्यात प्रोत्साहन : हेतु RoDTEP (बढ़ाना)

(5.) वित्तीय : हेतु PMJDY, 20 लाख तक ऋण

(6.) स्पष्ट MSME को बढ़ावा :
वस्त्र उद्योग - भारत के 2T$ (2030)
निर्यात व GDP में, रोजगार सृजन में अहम योगदान

7. सेइच (Seiche) क्या है और इसका निर्माण कैसे होता है? उन भौगोलिक परिस्थितियों पर चर्चा कीजिए जिनमें इसके निर्माण की संभावना सर्वाधिक होती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What is a seiche and how does it form? Discuss the geographical conditions under which seiches are most likely to occur. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

8. तीव्र शहरीकरण ने भारत के उप-नगरीय क्षेत्रों के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य को किस प्रकार प्रभावित किया है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How has rapid urbanisation affected the socio-cultural landscape of peri-urban regions in India? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

UNESCO के अनुसार भारत 3rd सबसे बड़ा शहरों वाला देश है। जनगणना 2011 में 31% शहरीकरण → 2036 तक 40% (UN) जो तीव्र शहरीकरण को दर्शाता है।

तीव्र शहरीकरण → उपनगरीय क्षेत्रों के सामा. सांस्कृतिक परिदृश्य प्रभावित

Tier 2, 3 जैसे शहर उपनगरीय तथा बड़े शहरों के किनारे वाले शहरों का विस्तार Peri urban Region कहलाता है

Eg. Delhi – NCR (RJ + HR + UP)

(1) सामाजिक संबंधों में परिवर्तन

↳ पारंपरिक अस्पृश्यता जैसी कुरीतियों को हतोत्साहित & समानता & भाईचारा को बढ़ावा

(2) सोसायटी कल्चर : एक ही जाति के लोग एक ही कॉलोनी में साथ रहते

([illegible])

VisionIAS

(2) सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा

आपसी रिश्तों को बढ़ावा

Eg स्कूलों में मेट्रोपोलिटन कल्चर द्वारा शिक्षा।

(3.) धार्मिक संकीर्णता व कट्टरता कम हुई। प्यू रिसर्च सेंटर → 58%

शहरी नागरिकों को मानना है, वे धार्मिक सहिष्णु है।

(5.) संस्कृतियों का मिलन (फ्यूजन सेंटर)

Eg द्रविड़ + उत्तर भारतीय संस्कृति + NER
⇓
नोएडा (UP), गुरुग्राम में

(6.) महिलाओं व SC, ST, वंचितों का सामाजिक समानता व सांस्कृतिक शक्ति को बढ़ाना Eg घूंघट प्रथा का खत्म होना।

शहरों द्वारा न केवल सामा.-सांस्कृतिक परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव आया, बल्कि आर्थिक विकास & SDG-11 (Sustainable cities) को बढ़ाया है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

9. भारतीय राजनीति में सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने में ऐतिहासिक और सामाजिक-राजनीतिक कारकों की भूमिका का परीक्षण कीजिए (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Examine the role of historical and socio-political factors in driving communalism in Indian politics. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

UNESCO: के अनुसार स्व को पर से अधिक महत्व देना, अपने समुदाय, को अन्य से अधिक श्रेष्ठ मानने की वकालत करना सांप्रदायिकता कहलाती है। (Eg) [illegible] vs [illegible]

भारतीय राजनीति में सांप्रदायिकता: ऐतिहासिक कारक

(1.) औपनिवेशिक विरासत: फूट डालो और राज करो की नीति
↳ पृथक निर्वाचन (Eg) मार्ले मिंटो, 1909

(2) स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सामाजिक सुधार आंदोलन में शामिल संप्रदायों के नेताओं द्वारा धार्मिक पहचान को बढ़ाना,
(Eg): देवघर आंदोलन, आर्य समाज (शुद्धि)

(3.) स्वतंत्रता के समय: देश का विभाजन
⇒ हिंदू vs मुस्लिम vs सिख
दंगे ⇒ सांप्रदायिक तनाव
↳ राजनीतिक एजेंडा में धर्म

VisionIAS

Eg शिरोमणि अकाली दल

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सामाजिक - राजनीतिक कारकों की भूमिका

1. इसाई मिशनरियों द्वारा धर्मांतरण

Eg NER - नागालैंड, त्रिपुरा आदि में
हिंदुओं व जनजातियों के बीच सांप्रदायिकता।

Eg कुकी नेशनलिस्ट पार्टी (इसाई)

2. हिंदू - मुस्लिम सांप्रदायिक दंगे ⇒ वोट बैंक व ध्रुवीकरण

Eg मुजफ्फरपुर दंगे (2013)

3. जाति आधारित राजनीति का चलन

Eg हरियाणा - जाट-अहीर
आंध्र - कोडा, रेड्डी

4. राजनीति अपराधीकरण ⇒ सांप्रदायिक पंथों

Eg बाहुबली कल्चर (UP)

सांप्रदायिकता देश को बांटने व राजनीति की इच्छित करती है। अपनी भाईचारे व पंथनिरपेक्षता तथा संवैधानिक मूल्यों (समानता) आदि से इसका सफल नाश उपस्थित है।

10. वैश्वीकरण ने भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं, जीवनशैली और मूल्य प्रणालियों को गहराई से प्रभावित किया है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Globalization has significantly influenced the aspirations, lifestyle, and value systems of Indian youth. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वैश्वीकरण UNESCO के अनुसार अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव द्वारा विश्व की एकजुटता। यह ग्लोबल विलेज की धारणा से संबद्ध है।

वैश्वीकरण & भारतीय युवा

(A) आकांक्षा :

1. उदारीकरण द्वारा MNCs की स्थापना करना ⇒ कौशल विकास रोजगार → MBA चाहवालना

2. राजनीतिक उभार & ग्लोबल एक्सपोजर → युवा अंतर्राष्ट्रीय संबंध

3. विश्व की संस्कृति से परिचय & ग्लोबल एंगेजमेंट ⇒ अंतर्राष्ट्रीय विवाह (प्रियंका चोपड़ा)
↳ हॉलीवुड & कोरियन ड्रामा का प्रभाव

VisionIAS

(B) जीवन शैली

+ve

→ वेश-भूषा & फैशन में विविधता

(Eg) जींस-टीशर्ट-पगड़ी

→ विदेशी भाषा ⇒ अंतर्राष्ट्रीय संपर्क

(Eg) Eng, फ्रेंच, जर्मन

→ अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत, विचार, दर्शन (साम्यवाद, पूंजीवाद) का ज्ञान होना।

-ve

↳ वैयक्तिकता ↑
⇓
संयुक्तता ↓

↳ उपभोक्तावादी मानसिकता

↳ बाजार से प्रभावित

(Eg) ब्यूटी प्रो.
⇓
फैशनपरस्ती

(C) मूल्यों

+ve

→ ग्लोबल धारणा

→ अंतर्राष्ट्रीयतावादिता

→ वैश्विकता दोधारी तलवार है

- अं. वसुधैवकुटुंबकम्
- ग्लोकलाइजेशन
- होमोजिनाइजेशन

-ve

↳ वैयक्तिक [illegible]

↳ Egoism (स्वार्थता)

↳ परंपरा से उखड़ना (शहरी कल्चर)

↳ पाश्चात्यीकरण

(Eg) (देशी भाषा को हीन...)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

11. परीक्षण कीजिए कि किस प्रकार चंद्रगुप्त द्वितीय का शासनकाल सांस्कृतिक विकास के स्वर्णिम युग का प्रतीक था, जिसने भारतीय कला और साहित्य में भविष्य की प्रगति की नींव रखी। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Examine how Chandragupta-II's reign symbolised a golden age of cultural development, laying the foundation for future advancements in Indian art and literature. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पांचवी सदी के आरंभ में चंद्रगुप्त II द्वारा उत्तर भारत में शासन किया गया।

चंद्रगुप्त II शासनकाल : सांस्कृतिक स्वर्णिम युग

① R.S. शर्मा के अनुसार गुप्त काल को भारतीय संस्कृति का स्वर्णकाल कहा जाता है, तो उसमें CG II का अहम योगदान था।

② व्यापार व वाणिज्य के साथ सांस्कृतिक समागम को बढ़ावा।

③ बाल्हीक से हेरात तक भारतीय संस्कृति की पताका फैली थी।

④ स्थापत्य, मूर्तिकला, मुद्रा, गुफाएं, ललित कला, विज्ञान, साहित्य etc. में उज्ज्वल पक्ष का विकास।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(A) भारतीय कला

I. **स्थापत्य**: मंदिरों का निर्माण
└ नागर शैली को विकसित किया

(eg) दशावतार मंदिर

II. **मूर्तिकला**: जीवंत, भावाभिव्यक्ति, पौराणिक दृश्य मूर्तियों का निर्माण।

(eg) एरावतेश्वर मंदिर की मूर्ति

III. **चित्रकला**: फ्रेस्को कारीगरी के लिए
└→ प्राकृतिक, धार्मिक, मनुष्यों के चित्र

IV. **ललित कला**
└→ नृत्य, संगीत को बढ़ावा
└→ लोकनाट्य शैलियों को प्रोत्साहन, उत्सवों में बढ़ावा।

V. **विज्ञान-कला**:

(eg) लौह स्तंभ, महरौली

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

साहित्य

(1) आर्यभट्ट – वैज्ञानिक साहित्य

(2) कालिदास :- अभिज्ञानशाकुंतलम् (नाटक)
रघुवंश, मेघदूत (कविता)

(3) भास : (स्वप्नवासवदत्ता)

(A) साहित्य को दरबारों के माध्यम से बढ़ावा ⟹ साहित्यिक रचनाओं के
(B) साहित्यकारों को संरक्षित किया।
(Eg) नव-रत्नकार & अभिज्ञान देना।

गुप्तकाल ने मौर्योत्तर भारत में आने वाले शासकों & राजवंशों हेतु मजबूत कलात्मक & साहित्यिक नींव रखी। जैसे वर्धनवंश (हर्ष) गुर्जर-प्रतिहारों, राजस्थान के रजवाड़ों ने आगे बढ़ाया। आज भी गुप्त संस्कृति की विरासत दृष्टव्य है।

12. औपनिवेशिक काल में भारतीय समाज पर ब्रिटिश शिक्षा नीतियों के अपेक्षित और अनपेक्षित परिणामों का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Evaluate the intended and unintended consequences of British educational policies for the Indian society in the colonial period. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1757 – 1947 के अंग्रेजी शासन के कालखंड को औपनिवेशिक काल कहा जाता है।

कंपनी (1757 – 1857) | ब्रिटिश क्राउन (1858 – 1947)

भारतीय समाज पर ब्रिटिश शिक्षा नीति के अपेक्षित परिणाम

1. भारतीय बुद्धिजीवियों को अंग्रेजी शिक्षा द्वारा औपनिवेशिक सत्ता को मजबूत करने में सहायक बनाना।
   Eg. मैकाले की पाश्चात्य शिक्षा

2. सिविल सेवकों को शिक्षा प्रदान करना
   ↳ अंग्रेजी सत्ता को मजबूत करे।
   Eg. फोर्ट विलियम कॉलेज (1800)

3. समाज में विभाजन डालने हेतु

VisionIAS

साम्प्रदायिक शिक्षा प्रदान करना।

(ex) मार्ले-मिंटो नीति अनुरूप शिक्षा
→ कर्जन द्वारा यूनिवर्सिटी एक्ट, 1904

(4.) हिंदु- मुस्लिम स्कॉलर्स के मध्य खाई उत्पन्न ⇒ साम्प्रदायिक तनाव को बढ़ाना (ex) बंगाल विभाजन

(5.) देशी शिक्षा को हतोत्साहित करना
(ex) देशभक्त शिक्षा प्रयासों का बैन करना।
(कविचन्द्र ग्रंथ, पत्रिका)

ब्रिटिश शिक्षा नीति के अनपेक्षित परिणाम

(1) पाश्चात्य मूल्यों को सीखना
(ex) समानता, स्वतंत्रता etc.

(2) राष्ट्रवाद को अप्रत्यक्षतः बढ़ाना
↳ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

अंग्रेजी सत्ता की नीतियों के विरोध में राष्ट्रीयता उभरी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ सामाजिक सौहार्दता को बढ़ावा।

Eg. देशी स्कूलों में सभी धर्म, जाति, पंथ के विद्यार्थी पढ़ने लगे।

Eg. कलकत्ता में अरबों की स्कूल

④ धार्मिक एकता व सहिष्णुता को प्रोत्साहन प्राप्त मिला।

Eg. रक्षाबंधन कार्यक्रम < हिन्दु + मुस्लिम, सिक्ख

ब पंजाब विश्वविद्यालय

⑤ विदेशी संस्कृति की अच्छी बातों को सीखा। (रामस्वरूप चतुर्वेदी के अनुसार - नवजागरण चेतना व सांस्कृतिक स्थानान्तरण ऊर्जा का निर्माण हुआ।

↳ मूलतः अंग्रेजी शिक्षा-नीति औपनिवेशिक हितों को पोषित करने हेतु, पर इसने अप्रत्यक्षतः भारतीयों में जागृति उत्पन्न की।

13. स्वतंत्रता के पश्चात् भारत के प्रादेशिक विवाद केवल भौगोलिक सीमाओं से संबंधित नहीं थे, बल्कि इनमें राष्ट्रीय पहचान, ऐतिहासिक असंतोष और भू-राजनीतिक रणनीतियों के मुद्दे भी शामिल थे। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
India's territorial disputes after independence were not merely about borders, but also encompass issues of national identity, historical grievances, and geopolitical strategies. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वतंत्रता के पश्चात् भारत के राज्यों के पुनर्गठन की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक थी)

प्रादेशिक विवाद Δ भौगोलिक सीमाएं

---

(1) ब्रिटिश प्रांतों का भौगोलिक सीमांकन

(eg) बोम्बे, मद्रास, कलकत्ता प्रेसीडेंसी

(2) रियासतों का पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में बिखराव।

(3) स्वतंत्र भौगोलिक प्रदेश (eg) पाकिस्तानी बांग्लादेश में (बंगाल)

(A) राष्ट्रीय पहचान

↳ विभिन्न प्रदेशों में पृथक राष्ट्रीयता थी। (eg) जूनागढ़, हैदराबाद रियासत अपने आप को स्वतंत्र राष्ट्र मानते थे।

↳ स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित पहचान (eg) कश्मीर (राजा हरिसिंह)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ राष्ट्रवाद तत्व का हावी होना

(eg) - मणिपुर, त्रिवेंद्रम (केरल) रियासत
↳ एकीकरण से इंकार [तत्पश्चात विलय]

↳ भाषायी राष्ट्रवाद → (eg) आंध्रप्रदेश

(B.) ~~संघीय~~ ~~चुह~~. ऐतिहासिक कारक

(1) ब्रिटिशर्स द्वारा जबरदस्ती ~~औपनिवेशिक~~ भारत में एकीकृत करना।

(eg) 'बिहार - ओडिशा का कलकत्ता प्रेजीडेंसी में'।

(2) संसाधनों & विकास का बंटवारा

(eg) महाराष्ट्र - गुजरात (~~बॉम्बे प्रेसीडेंसी~~)

(3) रियासतों & राजशाही राज्यों के रूप में ऐतिहासिक स्वायत्तता, पर जनता में राष्ट्रीय एकीकरण भावना

(eg) राजस्थान

www.visionias.in

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) भू राजनीतिक रणनीतिक के मुद्दे

(1.) ब्रिटिशों द्वारा भू-राजनीतिक-रणनीतिक लाभ हेतु प्रदेशों का गठन

- तटीय राज्य
  - मद्रास
  - केरल
- संयुक्त प्रांत

(2.) → विभाजन के उपरांत बंगाल & पश्चिम में राजस्थान, पंजाब, गुजरात की भूराजनीतिक स्थिति।

(3.) कश्मीर — भारत-पाक का विवाद
→ अक्साई चीन. पर चीन का कब्जा
→ लद्दाख के एक भाग पर भी।

→ प्रादेशिक विवादों के मुद्दे वर्तमान में भी बने हुए हैं. बोडोलैंड, गोरखालैंड, महाराष्ट्र, etc. की स्वतंत्र प्रदेश मांग।

★ राष्ट्रीय एकता & अखंडता हेतु प्रादेशिक मुद्दों को तोड़-जोड़ की बहुस्तरीय रणनीति द्वारा [illegible]

14. पश्चिमी घाट के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में शोला वनों के विकास के लिए उत्तरदायी भौगोलिक परिस्थितियों पर चर्चा कीजिए। उनके पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Discuss the geographical conditions responsible for the development of shola forests in the upper reaches of the Western Ghats. Highlight their ecological significance. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रायद्वीप भारत के पश्चिम मे अरब सागर से लगे भाग को पश्चिम घाट कहते है।

पश्चिम घाट : जैवविविधता हॉटस्पॉट है

शोला वनो के विकास मे उत्तरदायी भौगोलिक परिस्थितियाँ

1. पश्चिम घाट की भौगोलिक स्थिति
- → तटीय क्षेत्र से लगा होना
- → समुद्र के नजदीक (अरब सागर)
- → समांतर क्रम मे।

2. मानसूनी जलवायु & (अक्षांशीय स्थिति)
- → उष्णकटिबंधीय क्षेत्र (6°N – 22°N अक्षांश)
- → दक्षिण-पश्चिम मानसूनी आर्द्र हवाएं पर्याप्त वर्षा करती है। ⇒ शोला वनो हेतु उपयुक्त।

VisionIAS

(5.) ऊँचाई क्षेत्र : पहाड़ियाँ एवं पर्वतशृंखला

- नीलगिरी, कार्डमम,
- अन्नामलाई,
- शेवारायन, etc.

ऊँचाई के कारण अनुकूल ताप, आर्द्रता, मौसमी दशाएं मिलती है।

पारिस्थितिक महत्व

(1) संधारणीयता को बढ़ावा।

└ पर्यावरणीय विविधता द्वारा स्थानीय पारिस्थितिकी को बढ़ावा

(2) वनोपजों के रूप में मानव-प्रकृति संबंधों में संयोजक संबंध

(3.) जलवायु को अनुकूलित कर

└ पारिस्थितिकी तंत्र के संपोषित बनाना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) जैवविविधता को बढ़ावा

(ई) नीलगिरी तहर (स्थानीय जीव)

पशु-पक्षियों व बड़े जानवरों (भालू) आदि के साथ >1400 अधिक पादप प्रजातियां।

↳ फूल: नीलकुरिंजी (अद्वितीय पुष्प) (12 साल में 1 बार खिलता)

(6.) स्थानीय समुदाय व जनजातियों को पारिस्थितिकी प्रदान करना।

(ई) नीलगिरी की जनजातियां

पश्चिमी घाट के ऊंचाई शोला वन की पारिस्थितिकी महत्व को पहचान कर, उनका संरक्षण करना अपरिहार्य है SDG-13 (Climate, Action) हेतु भी।

VisionIAS

15. बढ़ती वैश्विक ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए ईंधन के रूप में प्राकृतिक हाइड्रोजन की क्षमता की विवेचना कीजिए? यह अभी भी एक अप्रयुक्त उद्योग क्यों है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Discuss the potential of natural hydrogen as a fuel to meet growing global energy demands? Why is it still an untapped industry? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्राकृतिक हाइड्रोजन : पृथ्वी की धरातल & वायु में ~~मिलता~~ प्राकृतिक रूप से मिलने वाला H_2 है। जिसकी वर्तमान में विश्वभर उपयोगिता हेतु जोर दिया जा रहा है।

वैश्विक ऊर्जा मांग 2050 तक तीन गुना बढ़ने का अनुमान है। [IEA]

प्राकृतिक हाइड्रोजन की क्षमता → वैश्विक मांग

---

① संधारणीय ईंधन स्रोत :
↳ कम प्रदूषणकारी, सतत रूप से प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होना।

② आसानी से उपलब्ध होने से प्रायः विश्व के प्रत्येक क्षेत्र में इसका

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विद्युत ऊर्जा etc. में उपयोग किया जा सकता है।

3. अन्य ऊर्जा स्रोतों के उपयोगिता बढ़ाने में सहायक।

सोलर इलेक्ट्रोलाइसिस द्वारा ग्रीन H_2 का निर्माण

4. फ्यूल सेल ईंधन के रूप में
   ↳ बैटरी स्टोरेज में स्थापना द्वारा लंबे समय तक उपयोगी।

5. विविध ईंधन के रूप में
   - हवाई जहाजों के फ्यूल
   - H_2 कार ईंधन
   - दुपहिया वाहनों में फ्लेक्स ईंधन

6. LPG के विकल्प : घरेलू ईंधन

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अपयुक्त उद्योग क्यों ?

→ ① पर्याप्त उत्पादन विधियों का अभाव

② उपयुक्त तकनीक न होना।
- हेतु
- निष्कर्षण
- यूटिलाइजेशन
- प्रयोग हेतु

③ भंडारण हेतु पर्याप्त फैसिलिटीज का अभाव। अतिशीतित भंडारण में रखना पड़ता है।

④ परिवहन की उपयुक्त व्यवस्था न होना। ⑤ R&D कम होना

आगे राह → R&D को बढ़ावा।
→ संस्थागत, नीतिगत व्यापक प्रयास
→ PPP भागीदारी ⇒ प्राइवेट सेक्टर
→ विदेशी निवेश & अंतर्राष्ट्रीय कोलाबोरेशन
Hydrogen ← द्वारा नवीन तकनीक

SDG-6 हेतु महत्वपूर्ण →

16. श्रम-गहन उद्योगों का चीन से दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर स्थानांतरण क्यों हो रहा है? इस संदर्भ में भारत के लिए लाभों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Why is there a shift of labour-intensive industries from China to South and Southeast Asia? Discuss the advantages and challenges for India in this context. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

श्रम-गहन उद्योग : वे होते है जिनमें श्रम की बहुत अधिक जरूरत होती है

Eg लेदर, टेक्सटाइल ।

श्रम-गहन उद्योग : चीन → दक्षिण & SE एशिया स्थानांतरण ?

PUSH FOCTOR

1. पश्चिम देशों की चीन+1 की रणनीति : चीन का विकल्प ढूंढना ।

2. चीन पर निर्भरता कम करना ।
(चीन Mfg. में विश्व का >20% GDP)

3. USA-चीन ट्रेड वार ।

4. संरक्षणवादी नीतियाँ Eg MAGA (USA)

5. चीन द्वारा डंपिंग & सस्ता उत्पादन

6. PULL FACTOR

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① चीन व दक्षिण कोरिया में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु लक्षित प्रोत्साहन।

Eg- वियतनाम में कपड़ा उद्योग हेतु सब्सिडी

② अनुकूल विनियमन माहौल (EoDB)

↳ विनियामकों व लाइसेंसिंग का सरलीकरण

Eg (भारत): जनविश्वास एक्ट
└ नियामकों [illegible]

③ श्रम कानून सुधार

↳ Eg इंडिया: लेबर कोड (स्वागत + पक्ष)

ईजी पॉलिसी ⇒ सस्ता श्रम

↳ लचीले कानून।

④ FDI व निवेश की नीति

↳ व्यापार समझौते में श्रम-गहन इंडस्ट्री में निवेश हेतु विशेष वार्ता

Eg Ind-UK FTA में लेदर, टेक्सटाइल etc.

⑤ निर्यात के पर्याप्त अवसर: GAAR

VisionIAS

भारत के लिए लाभ

① रोजगार सृजन : श्रमिक के अनुसार

भारत में श्रम गहन उद्योगों में >10 m रोजगार प्रतिवर्ष उत्पन्न की क्षमता बढ़ेगी।

② निर्यात ↑ ⇒ Forex ($) ↑
⇓
व्यापार घाटा ($267 b, 2024) ⇓

③ GDP ↑ (मैकेंजी : >1 T $, Next 5 yr)
⇓

④ समग्र विकास ↑ ⇒ शिक्षा-स्वास्थ्य, कौशल, प्रशिक्षण को बढ़ावा।

⑤ जनसांख्यिकी लाभांश ↑ (>60% वर्किंग पोपुलेशन)

चुनौतियाँ
- ① क्रोनि कैपिटलिज्म ↑
  ⇓
  श्रमिकों का शोषण (अतिरिक्त श्रम ↑)
- → असंतुलित विकास ↑ ⇒ अन्य क्षेत्र पिछड़ने की आशंका
- → श्रमिकों द्वारा MNCs का विरोध & ट्रेड यूनियन ↑
  (इ) चेन्नई में एप्पल केन्द्र मुद्दा

Ⓐ श्रम गहन उद्योग न केवल भारत के विकास, बल्कि SDG-8 (Decent growth, & Development) में महत्वपूर्ण होंगे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

17. भारत में महानगरीय क्षेत्रों में महिलाओं के प्रवास के परिणामस्वरूप होने वाले सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Explain the socio-economic transformations resulting from women's migration to metropolitan areas in India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जनगणना 2011 के अनुसार - महानगरीय क्षेत्रों महिलाओं का प्रवास 22% (कुल प्रवासी) रहा है। जिससे महानगरीय क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन आए।

(A) सामाजिक परिवर्तन

1. सामाजिक गतिशीलता बढ़ी।
Eg समाजों में मेल-जोल बढ़ा।

2. लैंगिक सरोकारों की मांग & भूमिका बढ़ी।
Eg महिला अधिकार #Metoo

3. जनजागृति में महिलाओं के मुद्दों का उभरना।
Eg मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर (केरल)

VisionIAS

(4.) शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना।

- ~~प्राथमिक~~ स्कूल (GER : 100%, ~~ABER~~)
- STEM में (कुल की > 50%) महिलाएँ है।

(5.) स्वास्थ्य में सुधार : हौलिस्टिक वेलनेस

Eg MMR
- NFHS-~~3~~ : 1~~0~~5
- NFHS-5 : 97

(6.) सामाजिक विषयों में लैंगिक दृष्टिकोण,

- 'बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ"
- "वुमेन फर्स्ट"

B आर्थिक परिवर्तन

(1.) आर्थिक भागीदारी बढ़ी

Eg उद्यमीता में > 20% स्टार्टअप महिलाओं द्वारा नेतृत्व (~~नीति~~ आयोग)

↳ 12% MSMEs महिलाएँ संचालित करती।

Visionias

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) रोजगार सृजक के रूप में

Eg SEWA (अहमदाबाद) द्वारा व्यापक बिजनेस → रोजगार ↑

(3). आर्थिक सशक्तिकरण ।

Eg 'कुडुम्बश्री' (केरल) द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया।

(4) 'वुमेन लेड डेवलपमेंट' को चरितार्थ करना। Eg किरण मजूमदार, सावित्री जिंदल } बिजनेस leader

(5) समग्र आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण भागीदार। Eg PLFS सर्वे 2025: 41.7% FLFPR ↗

(A) महिलाएं समाज का आधा हिस्सा है।

महिलाओं के विकास → विकसित भारत @2047
→ आत्मनिर्भर भारत

SDG-5 (असमानता), SDG-10 (लैंगिक समता) में महिलाओं का राष्ट्रीय विकास नेतृत्व किया।

www.visionias.in

18. भारत में विवाह संस्था, तेज़ी से दिखावटी उपभोग और वस्तुकरण का केंद्र बनती जा रही है। सामाजिक समता और लैंगिक संबंधों पर इस व्यवसायीकरण के प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The institution of marriage in India is increasingly becoming a site of conspicuous consumption and commodification. Critically examine the impact of this commercialisation on social equity and gender relations. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत में विवाह संस्था, एक पवित्र संस्कार है (पाणिग्रहण संस्कार, out of 16)।

④ विवाहों में पाश्चात्य संस्कृति, साज-सज्जा, डेकोरेशन, DJ, संगीत कार्यक्रम की भव्यता etc. जैसी चीजें तेजी से उभर रही है। जिससे इनका दिखावटी उपभोग व वस्तुकरण हुआ है।

सामाजिक समता पर प्रभाव

नकारात्मक

① अमीर-गरीब अंतराल की खाई गहरी हुई।

Eg. दैनिक भास्कर सर्वे
शादी पर खर्च (avg) < अमीर भारतीय : >1cr; गरीब <5लाख

② समाज में ऊँच-नीच की भावना और

VisionIAS

→ जनता एक हुई।

(3) महिलाओं की स्वतंत्रता कम हुई।

(4) पाश्चात्यकरण (vs) पारंपरिक समाज

सांस्कृतिक समता कमजोर हुई।

(5) धर्म का महत्व घटा ↓

सकारात्मक

(1) जातीय आलिता कमजोर

(i) अंतर्जातीय विवाह

(2) धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा।

(3) समाज में स्वैच्छिक पहचान ⇒ अर्थ उपार्जन को बढ़ावा

भौगोलिक जनजीवन पर प्रभाव

नकारात्मक : (1) महिलाओं के अधिकार कम हुए

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) महिलाओं का वस्तुकरण ↑
(सौंदर्य > चरित्र, गुण)

(3.) महिलाओं के प्रति उपभोगवादिता &
उपभोगितावादी नज़रिया ↑

(4.) समलैंगिकों में अर्द्ध वैवाहिक
संबंधों को बढ़ावा।

(5.) महिलाओं - पुरुषों में भेदभाव
अंतराल बढ़ा।

(6) मातृ-स्थान विवाह <<
पितृ स्थान विवाह। ↑

विवाह को व्यावसायिक की बजाय
सामाजिक, इसका विवाद से
बढ़ावा देकर, इस सांस्कृतिक इंस्टीट्यूशन
का दर्शन अपरिहार्य है।

19. विश्लेषण कीजिए कि देखभाल संबंधी कार्य को मान्यता देना, उसे कम करना और पुनर्वितरित करना किस प्रकार भारत में लैंगिक समानता एवं समावेशी विकास को बढ़ावा दे सकता है। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Analyse how recognizing, reducing, and redistributing care work can foster gender equality and promote inclusive development in India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(A) भारत में देखभाल संबंधी कार्यों में घरेलू कार्य, बच्चों & बुजुर्गों की देखभाल, खाना बनाना, दवाई देना, स्कूल भेजना etc है।

(A) मान्यता देकर → लैंगिक समानता & समावेशी विकास

---

(1) देखभाल कार्यों को वेतनिक रूप के रूप में मान्यता देना ⇒ महिलाओं को आय मिलेगी ⇒ घर में समानता ↑

↓

बचत ⇒ निवेश ⇒ उन्नति ⇒ (समावेशी विकास)

(2) महिलाओं को व्यापक आर्थिक सामाजिक & राजनीतिक भागीदारी होगी।

VisionIAS

काम करना → लैंगिक समानता व सामाजिक विकास

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(१) महिलाओं को अतिरिक्त अवसर मिलेगा। (सभी क्षेत्रों में)

(२) ICO : महिलाएं ७२% कुल वर्किंग घंटा → देखभाल कार्यों में,

(३) महिलाएं + पुरुषों के समकक्ष होकर → समता।

(c) पुनर्वितरित करना

(१) पुरुषों द्वारा भी घरेलू कार्य करवाना।
महिलाओं को भी

VisionIAS

पुरुषों की जवाबदेही होगी।

छोटे कार्यों परिवार में
निर्णय में भागीदारी।

↳ अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में भागीदारी।

(4) रक्षा, उद्योग, खेल में बढ़ती महिला भागीदारी इस बात की मांग करती है कि उन्हें छोटे कार्यों तक सीमित न रखा जाए।

(*) सरकार + समाज → [illegible]
↓
महिला भागीदारी ↑
SDG-10, 5 [illegible]

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

20. शहरी भारत में पारिवारिक संरचना की बदलती प्रकृति पर चर्चा कीजिए। यह वृद्धजनों की देखभाल और युवाओं के समाजीकरण को किस प्रकार प्रभावित कर रही है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Discuss the changing nature of family structures in urban India. How is it impacting elderly care and socialization of the youth? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शहरी भारत में पारिवारिक संरचना

संयुक्त परिवार

(1) एकल परिवार (Nuclear family)

↳ माता-पिता & बच्चे

(2) एकल परिवार → [illegible]

(बिना पिता के बच्चे मॉडर्न परिवार)

(3) लिव-इन: वैकल्पिक विवाह

(4) Co-Living: सीमित विवाह

(5) समलैंगिक विवाह: LGBTQIA

नारी-नारी | पुरुष-पुरुष | अन्य-अन्य

VisionIAS

वृद्धजनों देखभाल पर प्रभाव

1. संयुक्त परिवार के विघटन से माता-पिता को अलग करना।

(a) रेमंड कंपनी के मालिक का मुद्दा।

2. भावनात्मक विलगाव।

3. खिड़की-बॉल तक सीमित।

4. दवाई-भोजन etc. का खर्च देना (₹), पर हाथ से सेवा न करने का प्रचलन बढ़ा।

5. भरण-पोषण हेतु उपेक्षित करना।

(a) भरण-पोषण एक्ट 2007 के तहत ₹ 20% देखभाल (न्यू रिसर्च)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

युवाओं के समाजीकरण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(1) सामाजिक कौशल सीखने में विफलता। (बड़ों का सम्मान, छोटों को प्यार)

i — संयुक्त के साथ रहने का मूल्य की पहचान

धार्मिक, नीति शिक्षा में भरमाना

(2) शिष्टाचार, व्यवहार etc. में युवाओं का पिछड़ना ⇒ "अड्वेंचर किड्स" अवधारणा।

(3) भावनात्मक समाजीकरण के अभाव ⇒ अपराधीकरण ↑ (धारावी बस्ती)

(4) सिंगल मदर परिवार: साहसिक, नैतिक और मूल्यों का समावेश न होना।

(5) एकल परिवार ⇒ बच्चों की आधुनिक परवरिश।

(6) संयुक्त परिवार भारतीय संस्कृति की आत्मा है कोशिश करें इसको यथासंभव बचाए रखने की।

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS